

प्रेषक,
एस0एस0वल्दिया,
उपसचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,
निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून दिनांक : 16 फरवरी, 2007

विषय: बारहवें वित्त आयोग के अन्तर्गत राज्य के संरक्षित स्मारकों के जीर्णोद्धार हेतु धनावंटन के सम्बंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1714/स0नि0उ0/दो-19/2006-07 दिनांक-13 दिसम्बर, 2006 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय बारहवें वित्त आयोग के अन्तर्गत राज्य के संरक्षित स्मारकों के जीर्णोद्धार हेतु निम्न तालिका के अनुरूप मन्दिरों/योजनाओं के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु रुपये 29.08 लाख (रुपये उनतीस लाख आठ हजार मात्र) की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त धनराशि निम्न शर्तों के अधीन व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र० सं०	स्मारक/योजना का नाम	प्रस्तावित धनराशि	टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत धनराशि
1.	मुण्डेश्वर महादेव मन्दिर समूह, पिथुनी, अल्मोड़ा	811712.00	4.99
2.	महादेव मन्दिर समूह, सोमेश्वर, अल्मोड़ा	1127912.00	5.59
3.	नौ देवल मन्दिर समूह, बानठौक, अल्मोड़ा	888150.00	5.26
4.	बद्रीनाथ मन्दिर समूह, गढ़सेर, बागेश्वर	816191.00	4.17
5.	महारुद्र लक्ष्मीनारायण मन्दिर समूह, मरसोली, पिथौरागढ़	2061324.00	9.07
	योग	5705289.00	29.08

2-कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधानित स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधानित स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

3-कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

4-एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

5-कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

6-कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति उच्च अधिकारियों एवं भुगर्वैता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

7-उक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र वित्तीय वर्ष के अन्त तक अवश्य उपलब्ध करा दिया जाय।

7-(1) आंगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय। निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

8- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आंबटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं दता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने चाहिए। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बंध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

9- यदि स्वीकृत राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृत राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाय।

10- 12वें वित्त आयोग से सम्बन्धित सम्पूर्ण धनराशि का उपयोग दिनांक- 31 मार्च 2007 तक सुनिश्चित कर लिया जाय।

11- इस सम्बंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-104-अभिलेखागार (आयोजनागत)-03-बारहवें वित्त आयोग द्वारा संस्तुत अनुदान (पुरातत्व संरक्षण) राज्य अभिलेख-00-25-लघु निर्माण कार्य मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

12- यह आदेश वित्त विभाग के अर्द्धशासकीय पत्र संख्या-1603/XXVII (3)/2007 दिनांक 07 फरवरी, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0एस0वल्दिया)
उपसचिव

पृष्ठांकन संख्या-156/VI-I/2007-5(6)2008 तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
6. क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी, क्षेत्रीय पुरातत्व ईकाई, अल्मोड़ा।
7. एन.आई.सी. उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
8. वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
9. गार्ड फाईल।

(13)

आज्ञा से

(एस0एस0वल्दिया)
उप सचिव